न्यूज डायरी

डोनाल्ड ट्रंप पर मिलकर बरसे जो बाइडेन और कमला हैरिस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रैटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने बुधवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर मिलकर हमला बोला। पहली बार साथ आए बाइडेन और हैरिस ने आरोप लगाया है कि कोरोना वायरस से निपटने में ट्रंप विफल रहे हैं। दोनों यह भी कहा कि देश को रंगभेद के आधार पर बांटने की कोशिश कर रहे ट्रंप को वे जरूर हराएंगे और हालात को सुधारेंगे। हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुने जाने पर ट्रंप ने आलोचना की थी। इस पर जो बाइडेन ने डेलवेयर के अपने गृहनगर विलमिंगटन में एक अभियान कार्यक्रम में कहा, क्या किसी को हैरानी है कि ट्रंप को सशक्त महिलाओं से दिक्कत है? बाइडेन और हैरिस दोनों ने ट्रंप को रंगभेद को लेकर देश के तनावपूर्ण हालात के लिए जिम्मदार ठहराया। बाइडेन ने कहा,नव–नाजियों को देखकर कैसा लगता था जो श्वेत श्रेष्ठता मशालें लेकर आते थे और अमेरिका की सड़कों पर हिटलर की जर्मनी की तरह बातें करते थे?

पश्चिमी सीरिया में फिर से अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रहा है इस्लामिक स्टेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। पश्चिम एशिया मामलों के शीर्ष अमेरिकी कमांडर ने बुधवार को आगाह किया कि आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट एक बार फिर पश्चिमी सीरिया में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जहां अमेरिका की मौजूदगी काफी कम है।जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने कहा कि फरात नदी के पश्चिम में स्थिति इतनी खराब है कि इस्लामिक स्टेट से सक्रिय होने की आशंकाएं पैदा हो रही हैं।उन्होंने कहा, '' हम सभी को इसकी चिंता करनी चाहिए।''मैकेंजी ने कहा कि आतंकवादियों पर कोई अंकुश नहीं है, लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगियों को उम्मीद है कि आतंकवादी संगठन को रोकने के लिए सीरियाई शासन कुछ करेगा।देश के पश्चिमी हिस्से पर रूस समर्थित सीरियाई सरकार के सैनिकों का नियंत्रण है। वहीं अमेरिका और सहयोगी 'सीरियाई डेमोक्रेटिक बल' देश के पूर्वी हिस्सों में सक्रिय हैं।

चीन बोला– आशा है सीमा विवाद को और जटिल नहीं करेगा भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच रिश्ते हाल के दिनों में काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। हालांकि, इस दौरान दोनों देशों के बीच कई दौर की बातचीत भी हुई है लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। खास तौर से लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल को लेकर जल्द कोई हल नहीं निकलने की खबरों पर चीन ने प्रतिक्रिया दी है। चीन ने कहा कि भारत सीमा विवाद के मुद्दे को ज्यादा जटिल नहीं करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत और चीन इस मुद्दे को लेकर मुलाकात कर सकते हैं। चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने बुधवार देर रात इस मुद्दे पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि चीन को उम्मीद है कि भारत की ओर से ऐसी कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी जिससे सीमा पर स्थिति और कठिन हो। यह सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने और द्विपक्षीय संबंधों के स्वस्थ विकास के लिए अनुकूल हालातश बनाएगा।

सोवियत संघ के कोल्ड वॉर से बदतर हो सकता है चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने कहा है कि चीन ने कुछ तरीके से पश्चिमी दुनिया के लिए शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ की ओर से पैदा किए गए खतरे से भी बड़ा खतरा पैदा किया है। चेक गणराज्य की संसद में दिए अपने भाषण में पोम्पियो ने कहा कि जो कुछ अभी घटित हो रहा है, वह कोल्ड वॉर 2.0 नहीं है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के खतरे का मुकाबला करना कुछ तरीके से उससे भी बड़ा खतरा है। मध्य यूरोप की 5 दिवसीय यात्रा के पहले पड़ाव पर चेक गणराज्य पहुंचे पोम्पियो ने चीन के दुनिया में बढ़ते दबदबे के प्रति आवाज उठाई। उन्होंने यह भी कहा कि रूस ने हमेशा से दुष्प्रचार और साइबर हमलों के जरिए चेक गणराज्य के लोकतंत्र और सुरक्षा को कमजोर किया है।

अमेरिका ने तैनात किए घातक परमाणु बॉम्बर

तनाव लद्दाख में मान नहीं रहा चीनी ड्रैगन, भारत–चीन तनाव, हिंद महसागर पहुंचे बॉम्बर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिका। भारत और चीन के बीच लद्दाख में जारी तनाव खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों के अधिकारियों के बीच सहमति के बाद भी चीन पैंगोंग झील और देपसांग इलाके से अपनी सेना को पीछे हटा नहीं रहा है। यही नहीं चीन भारत की सीमा से लगे अपने इलाके में नए हवाई ठिकाने बना रहा है। यही नहीं चीन ने लद्दाख के पास स्थित अपने सैन्य ठिकाने पर अपनी परमाणु मिसाइल डीएफ–26 को तैनात कर दिया है। चीन की इस जोरदार सैन्य तैयारी का करारा जवाब देने के लिए अब अमेरिका भी अपने मित्र भारत की मदद के लिए साथ आता दिख रहा है। अमेरिका ने भारत के बेहद करीब स्थित अपने नौसैनिक अड्डे डियागो गार्सिया पर परमाणु बम गिराने में सक्षम बमवर्षक विमान तैनात कर दिए हैं।

29 घंटे की यात्रा करके पहुंचे बी–2 स्प्रिट स्टील्थ बहृम्बर: अमेरिका

के इंडो–पैसफिक कमान की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि तीन बी–2 स्प्रिट स्टील्थ बॉम्बर डियागो गार्सिया में तैनात किए गए हैं। ये विमान करीब 29 घंटे की यात्रा करके अमेरिका के मिसौरी एयरफोर्स बेस से डियागो गार्सिया पहुंचे हैं। अमेरिका ने कहा कद्दि 29 घंटे की यह यात्रा यह दर्शाती है कि अमेरिका अपने दोस्तों और सहयोगियों की मदद के लिए बेहद घातक और लंबी दूरी तक किसी भी समय और कहीं भी हमला करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यूएस एयरफोर्स के कमांडर कर्नल क्रिस्ट्रोफर कोनंत ने कहा, हम डियागो गार्सिया जैसी महत्वपूर्ण जगह पर आकर बहुत रोमांचित महसूस कर रहे हैं।

कोरोना के बाद भी हम दोस्तों की मदद को प्रतिबद्धः कमांडर कोनंत ने कहा कि यह बॉम्बर टॉकफोर्स हमारी नैशनल डिफेंस स्ट्रेटजी का हिस्सा है। हम (हिंद महासागर में) अपने दोस्तों और सहयोगियों के साथ रिश्तों को मजबूत करने के साथ–साथ अपने हमला करने की धार को और ज्यादा तेज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संकट के बाद भी एयरफोर्स इंडो–पैसफिक इलाके में सहयोग करने और रक्षा मंत्रालय के देश के रणनीतिक लक्ष्यों का हासिल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। बता दें कि अमेरिका का स्ट्रेटजिक कमान अक्सर बी–2 स्प्रिट स्टील्थ बॉम्बर को खतरे और जरूरत के हिसाब से दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में तैनात करता रहा है।

भारत-चीन तनाव, हिंद महसागर पहुंचे परमाणु बॉम्बरः अमेरिकी वायुसेना ने बताया कि इससे पहले जनवरी 2019 में अंतिम बार बी–2 स्प्रिट स्टील्थ बॉम्बर हिंद महासागर में हवाई द्वीप पर तैनात किए गए थे। इसके साथ करीब 200 एयरमैन हवाई में तैनात किए गए थे। माना जा रहा है कि करीब डेढ़ साल बाद परमाणु बॉम्ब्बर की इस तैनाती के जरिए अमेरिका ने चीन और ईरान को बड़ा संदेश दिया है। ये बॉम्बर ऐसे समय पर डियागो गार्सिया पहुंचे हैं जब भारत और चीन के बीच लद्दाख में सीमा विवाद चरम पर पहुंच गया है।

कमला हैरिस का वीडियो मुस्करा रही होंगी मा...

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका में उप राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रैट उम्मीदवार कमला हैरिस अपने सशक्त विचारों के लिए अपनी मां श्यामला को श्रेय देती हैं। कमला ने कहा है कि उनके जीवन में उनकी मां की बड़ी भूमिका रही है। उनकी बहन माया हैरिस भी इस बात को मानती हैं और कमला को जो बाइडेन द्वारा चुने जाने पर उन्होंने कमला का पुराना वीडियो शेयर किया है जिसमें कमला अपनी मां और उनकी दी हुई सीख को याद कर रही हैं।

माया ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, आप बिना हमारी मां को जाने कमला हैरिस को नहीं जान सकते हैं। उनकी बहुत याद आ रही है लेकिन मुझे पता है आज वह और हमारे पूर्वज बहुत मुस्करा रहे होंगे।

आंदोलन के दौरान मिले थे पैरंट्सः हैरिस की मां भारतीय तमिल मूल की थीं और पिता जमैकन। उन्होंने बताया, मेरे माता–पिता विश्व–स्तर की शिक्षा के लिए दुनिया के अलग–अलग कोनों से अमेरिका पहुंचे, एक भारत से और एक अमेरिका से। कमला ने आगे बताया कि उनके माता–पिता 1960 के दशक में सिविल राइट्स मूवमेंट के दौरान साथ आए और ओकलैंड की सड़कों पर न्याय के लिए चिल्लाते और मार्च करते हुए एक–दूसरे से मिले।

वुहान वायरस लैब का दावा- हमें फैलने के बाद मिला कोरोना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। कोरोना वायरस फैलने के साथ ही इस बात को लेकर सवाल खड़े हो गए थे कि वायरस आखिर फैला कैसे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए कोरोना वायरस फैलने का दोष चीन के सिर मढ़ा जिसकी वुहान वायरस लैब विश्व में सबसे अधिक खतरनाक संक्रामक रोग वायरस का अध्ययन करने में सक्षम है। दावा किया गया कि इसी लैब से वायरस लीक हुआ है। अब वुहान वायरस लैब की निदेशक वांग यैन ई और उनके सहकर्मियों ने अमेरिकी छठ संवाददाता को दिए इंटरव्यू में ऐसी अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस इंसानों में कैसे फैला, इसकी जांच पर राजनीति का असर नहीं होना चाहिए।

खालिस्तानी संगठन सिख फार जस्टिस ने स्वतंत्रता दिवस पर साजिश रची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लाल किले पर खालिस्तानी झंडा फहराने वाले को इनाम मिलेगा

वॉशिंगटन। अमेरिका में सक्रिय खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने एक बार फिर से भारत के खिलाफ नापाक साजिश रची है। इस आतंकी संगठन ने ऐलान किया है कि अगर कोई 15 अगस्त के दिन लाल किले पर खालिस्तान का झंडा फहराता है तो उसे 125,000 डॉलर का इनाम दिया जाएगा। सिख फॉर जस्टिस के इस ऐलान के बाद दिल्ली पुलिस ने अपनी सतर्कता बढ़ा दी है।

सिख फॉर जस्टिस के सुप्रीमो गुरपतवंत सिंह पन्नून ने एक बयान जारी करके दावा किया कि 15 अगस्त सिखों के लिए स्वतंत्रता दिवस नहीं है। उसने कहा कि यह उन्हें 1947 में बंटवारे के समय हुई त्रासदी की याद दिलाता है। उसने कहा, हमारे लिए कुछ भी नहीं बदला है। बदले हैं तो केवल शासक। हम अभी भी भारतीय संविधान में हिंदू के रूप में दर्ज हैं और पंजाब के संसाधनों का इस्तेमाल अन्यायपूर्ण तरीके से अन्य राज्यों के लिए किया जा रहा है। हमें वास्तविक स्वतंत्रता की जरूरत है।

गुरपतवंत सिंह पर कस रहा है शिकंजाः खालिस्थानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पर पिछले 2 महीने से कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है। सिंह और उसके साथियों के खिलाफ 6 एफआईआर दर्ज की गई है। वह पिछले काफी समय से कोरोना संकट के बीच राजनीतिक जनमत संग्रह कराने की मांग कर रहा है। वह फोन करके और मेल करके सिख समुदाय के लिए अलग राज्य बनाए जाने की मांग कर रहा है।

आतंकी गुरपतवंत सिंह का दावा है कि यह मानवाधिकारों के वैश्विक घोषणापत्र के तहत कानूनी है। उसकी चेतावनी के बाद भारत की राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक उसके मेल की जांच की जा रही है। इस धमकी के खिलाफ उस पर जल्द ही केस दर्ज हो सकता है।

पाकिस्तानी डॉक्टर के प्यार में डूबी थीं प्रिंसेस डायना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स की पूर्व पत्नी रहीं प्रिंसेस डायना पाकिस्तान में अपने प्रेमी के साथ आकर रहना चाहती थीं। इस बात की अफवाहें हमेशा से उड़ती रही हैं कि डायना को पाकिस्तान में किसी से प्यार हुआ था लेकिन कोई कभी इसकी पुष्टि नहीं कर सका। अब ब्रिटिश एक्सपर्ट ईव पोलार्ड की दी गई जानकारी पर आधारित डॉक्युमेंटरी फिल्म में इससे जुड़े दावे किए गए हैं। मेल ऑनलाइन के मुताबिक श्डायनारू हर लास्ट समरश में पोलार्ड ने दावा किया है कि प्रिंसेज ऑफ वेल्स जेमीमा गोल्डस्मिथ से पाकिस्तान में बसने को लेकर बातचीत किया करती थीं। गोल्डस्मिथ इमरान खान की पत्नी थीं और वह लाहौर में रहती थीं। पोलार्ड ने कहा कि कोई यह नहीं सोच सकता था कि डायना पाकिस्तान के एक डॉक्टर से शादी करके वहां रहना चाहती थीं।

1997 में जब डायना पाकिस्तान गई थीं तो गुपचाप तरीके से डॉक्टर हजनत खान के पैरंट्स से मिलीं लेकिन मीडिया अटेंशन की वजह से दोनों के रिश्ते में दरार आ गई। हजनत इस रिश्ते को निजी रखना चाहते थे।